The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 4 | Issue 2 | February 2026
ISSN: 2583-973X (Online), SJIF IF: 5.6
Website: www.theacademic.in

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और अधिगम शैली के साहचर्यात्मक संबंध का अध्ययन

अमिता विश्वकर्मा

शोधार्थी, बायलसी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज जलालपुर,जौनपुर

संबद्ध : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर U.P.

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.18978762

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Accepted: 18-02-2026

Published: 10-03-2026

Keywords:

माध्यमिक स्तर, संवेगात्मक बुद्धि, अधिगम शैली।

ABSTRACT

इस अध्याय में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और अधिगम शैली के साहचर्यात्मक संबंध का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। अध्ययन हेतु जौनपुर जनपद के 482 विद्यार्थियों का नमूना चयनित किया गया। संवेगात्मक बुद्धि के मापन के लिए डॉ. अरुण कुमार सिंह एवं डॉ. श्रुति नारायण की मापनी तथा अधिगम शैली के लिए डॉ. के. एस. मिश्रा द्वारा निर्मित सूची का प्रयोग किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि अधिकांश स्थितियों में दोनों चरों के बीच सांख्यिकीय रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण साहचर्यात्मक संबंध विद्यमान है।

प्रस्तावना :

आधुनिक शिक्षा-मनोविज्ञान में यह मान्यता दृढ़ होती जा रही है कि प्रत्येक विद्यार्थी एक-सा नहीं सीखता। उसकी सीखने की गति, शैली, रुचि, प्रेरणा तथा भावनात्मक स्थिति उसके अधिगम को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। विशेषतः माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी (किशोरावस्था) संक्रमण काल से गुजरते हैं, जहाँ संवेगात्मक परिपक्वता, आत्म-पहचान, सामाजिक संबंध तथा शैक्षिक प्रदर्शन परस्पर गहराई से जुड़े होते हैं। इसी कारण वर्तमान शिक्षा-व्यवस्था में बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ संवेगात्मक बुद्धिमत्ता और अधिगम शैली के पारस्परिक संबंध का अध्ययन अत्यंत आवश्यक माना जाता है।

संवेगात्मक बुद्धिमत्ता की अवधारणा को वैज्ञानिक रूप से विकसित करने में Daniel Goleman, John D. Mayer तथा Peter Salovey का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इनके अनुसार संवेगात्मक बुद्धिमत्ता वह क्षमता है जिसके

माध्यम से व्यक्ति अपने तथा दूसरों के भावों को पहचानता, नियंत्रित करता और उपयुक्त व्यवहार में परिवर्तित करता है। विद्यालयी जीवन में यह क्षमता कक्षा-अनुशासन, सहयोग, प्रेरणा, समस्या-समाधान तथा शैक्षणिक सफलता को प्रभावित करती है। जिन विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धिमत्ता उच्च होती है वे तनाव को नियंत्रित कर पाते हैं, लक्ष्य-केन्द्रित रहते हैं और सीखने में सक्रिय भागीदारी करते हैं।

दूसरी ओर अधिगम शैली की अवधारणा को व्यवस्थित रूप प्रदान करने का श्रेय Rita Dunn तथा Kenneth Dunn को जाता है, जिन्होंने "डन एवं डन अधिगम शैली सिद्धांत" प्रस्तुत किया। इस सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की शैली पर्यावरणीय, भावनात्मक, समाजशास्त्रीय, शारीरिक तथा मनोवैज्ञानिक तत्त्वों से निर्मित होती है। कुछ विद्यार्थी दृश्य माध्यम से बेहतर सीखते हैं, कुछ श्रव्य माध्यम से, कुछ समूह में और कुछ एकांत में। यदि शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया विद्यार्थी की शैली के अनुरूप हो तो सीखना अधिक प्रभावी, स्थायी और अर्थपूर्ण बन जाता है।

किशोरावस्था में भावनात्मक उतार-चढ़ाव अधिगम शैली को प्रभावित करते हैं। उदाहरणतः उच्च संवेगात्मक बुद्धिमत्ता वाला विद्यार्थी समूह-अधिगम या सक्रिय अधिगम शैली में अधिक सफल हो सकता है, जबकि निम्न संवेगात्मक संतुलन वाला विद्यार्थी निष्क्रिय या पुनरुत्पादक शैली की ओर झुक सकता है। अतः यह मानना तर्कसंगत है कि संवेगात्मक बुद्धिमत्ता और अधिगम शैली के बीच सहसंबंध विद्यमान हो सकता है, जो शैक्षिक उपलब्धि की दिशा और गुणवत्ता दोनों को निर्धारित करता है।

माध्यमिक स्तर शिक्षा की वह अवस्था है जहाँ व्यक्तित्व का आधार निर्मित होता है तथा भविष्य के शैक्षिक एवं व्यावसायिक चयन की दिशा निर्धारित होती है। यदि इस स्तर पर यह ज्ञात हो जाए कि किस प्रकार की संवेगात्मक बुद्धिमत्ता किस अधिगम शैली से संबंधित है, तो शिक्षक शिक्षण-रणनीतियों को अधिक विद्यार्थी-केन्द्रित बना सकते हैं। इससे न केवल अधिगम की प्रभावशीलता बढ़ेगी बल्कि मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास तथा कक्षा-अनुकूलन भी सुदृढ़ होगा।

इसी संदर्भ में "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धिमत्ता और अधिगम शैली के बीच सहसंबंध का अध्ययन" अत्यंत प्रासंगिक बन जाता है। यह अध्ययन शिक्षकों को वैयक्तिक भिन्नताओं को समझने, उपयुक्त शिक्षण-विधियाँ अपनाने तथा समग्र व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने हेतु वैज्ञानिक आधार प्रदान करेगा।

अध्ययन की उपयोगिता :

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं अधिगम शैली के सह-चर्यात्मक संबंध का अध्ययन शैक्षिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह अवस्था विद्यार्थियों के भावनात्मक, सामाजिक एवं बौद्धिक विकास की आधारशिला होती है। संवेगात्मक बुद्धि विद्यार्थियों को अपने भावों को समझने, नियंत्रित करने तथा सामाजिक परिस्थितियों में संतुलित व्यवहार करने में सहायता करती है, जबकि अधिगम शैली यह स्पष्ट करती है कि वे किस प्रकार अधिक प्रभावी ढंग से सीखते हैं। इन दोनों के बीच संबंध की समझ शिक्षकों को विद्यार्थी-केन्द्रित शिक्षण रणनीतियाँ अपनाने में सहायक होती है, जिससे सीखने में रुचि, आत्म-विश्वास एवं शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि होती है। साथ ही यह अध्ययन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में वर्णित समग्र एवं भावनात्मक विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है तथा विद्यालयी शिक्षा को अधिक प्रभावी और समावेशी बनाने में योगदान देता है।

अध्ययन का उद्देश्य :

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और सक्रिय E अधिगम शैली के साहचर्यात्मक संबंध का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और आकृतिक F अधिगम शैली के साहचर्यात्मक संबंध का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक का स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और मौखिक V अधिगम शैली के साहचर्यात्मक संबंध का अध्ययन करना।
4. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और पुनरूत्पादन R अधिगम शैली के साहचर्यात्मक संबंध का अध्ययन करना।
5. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि और रचनात्मक C अधिगम शैली के साहचर्यात्मक संबंध का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना :

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और सक्रिय E अधिगम शैली में कोई सार्थक साहचर्यात्मक संबंध नहीं है।

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और आकृतिक F अधिगम शैली में कोई सार्थक साहचर्यात्मक संबंध नहीं है।
2. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और मौखिक V अधिगम शैली में कोई सार्थक साहचर्यात्मक संबंध नहीं है।

3. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और पुनरूत्पादन R अधिगम शैली में कोई सार्थक साहचर्यात्मक संबंध नहीं है।
4. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि और रचनात्मक C अधिगम शैली में कोई सार्थक साहचर्यात्मक संबंध नहीं है।

संबंधित साहित्य की समीक्षा :

1. शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, अधिगम प्रक्रिया तथा व्यक्तित्व विकास को समझने के लिए **संवेगात्मक बुद्धिमत्ता (Emotional Intelligence)** एवं **अधिगम शैली (Learning Style)** महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक घटक माने जाते हैं। विभिन्न शोधकर्ताओं ने इन दोनों चरों के मध्य संबंध, प्रभाव तथा शैक्षिक उपलब्धि पर इनके योगदान का अध्ययन किया है।
2. Dr. Tessy Joseph Kallarackal एवं Thomas P. J. (2022) द्वारा उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों पर किए गए अध्ययन में अधिगम शैली व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध का विश्लेषण किया गया। अध्ययन में Kolb की अधिगम शैली सूची का प्रयोग किया गया तथा परिणामों से स्पष्ट हुआ कि विद्यार्थियों की अधिगम शैली उनकी शैक्षणिक सफलता को प्रभावित करती है। अध्ययन में यह पाया गया कि Assimilator तथा Accommodator अधिगम शैली वाले विद्यार्थियों की उपलब्धि अपेक्षाकृत अधिक थी। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि शिक्षण प्रक्रिया में विद्यार्थियों की अधिगम शैली को ध्यान में रखना आवश्यक है।
3. Mohammed Mansoor A. P., Syed Khalid Pervez एवं Swamy TNVR (2020) ने स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के मध्य संवेगात्मक बुद्धिमत्ता का अनुभवजन्य अध्ययन किया। शोध परिणामों से ज्ञात हुआ कि आत्म-जागरूकता, आत्म-नियंत्रण, प्रेरणा एवं सामाजिक कौशल जैसे संवेगात्मक बुद्धिमत्ता के घटक विद्यार्थियों के व्यवहार एवं प्रदर्शन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। अध्ययन में संवेगात्मक बुद्धिमत्ता एवं आत्म-प्रबंधन के मध्य सार्थक संबंध पाया गया, जो शैक्षिक एवं व्यावसायिक सफलता में इसकी भूमिका को स्पष्ट करता है।
4. Arockia Shiny S. एवं P. V. Saravanan (2022) ने किशोर विद्यार्थियों में संवेगात्मक बुद्धिमत्ता एवं अधिगम शैली के मध्य संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि उच्च संवेगात्मक बुद्धिमत्ता वाले विद्यार्थी स्वयं को बेहतर ढंग से नियंत्रित करते हैं तथा उनकी अधिगम प्रक्रिया अधिक प्रभावी होती है। साथ ही सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य अधिगम शैली एवं संवेगात्मक बुद्धिमत्ता में महत्वपूर्ण अंतर भी पाया गया।

5. Joseph Awwad Bawalsah एवं Amer Hani Haddad (2020) ने अधिगम अक्षमता वाले विद्यार्थियों की अधिगम शैली वरीयताओं का अध्ययन किया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि विद्यार्थियों में श्रव्य (Auditory) एवं गत्यात्मक (Kinesthetic) अधिगम शैली अधिक प्रचलित थी। अध्ययन ने यह भी दर्शाया कि यदि शिक्षण विद्यार्थियों की पसंदीदा अधिगम शैली के अनुरूप किया जाए तो उनकी शैक्षणिक उपलब्धि में सुधार संभव है।
6. Baljinder Singh Maghar Singh एवं Kuldip Singh (2008) ने विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर संवेगात्मक बुद्धिमत्ता एवं अधिगम शैली के प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि संवेगात्मक बुद्धिमत्ता तथा अधिगम शैली दोनों का विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। शोध निष्कर्षों ने यह स्पष्ट किया कि भावनात्मक रूप से संतुलित विद्यार्थी अध्ययन में अधिक सफल होते हैं तथा उपयुक्त अधिगम शैली उनके प्रदर्शन को सुदृढ़ बनाती है।

उपरोक्त अध्ययनों के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि संवेगात्मक बुद्धिमत्ता एवं अधिगम शैली विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता, व्यवहारिक समायोजन तथा शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं। हालांकि विभिन्न स्तरों एवं संदर्भों में इन पर अध्ययन किए गए हैं, फिर भी माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में इन दोनों चरों के मध्य सहसंबंधात्मक अध्ययन की आवश्यकता अनुभव की जाती है। वर्तमान शोध इसी शोध-अंतर को ध्यान में रखकर किया गया है।

शब्दों की कार्यपरिभाषाएँ (Operational Definitions of Terms)

माध्यमिक स्तर (Secondary Level)

माध्यमिक स्तर से अभिप्राय शिक्षा के उस चरण से है जिसमें विद्यार्थी सामान्यतः कक्षा 9वीं और 10वीं में अध्ययनरत होते हैं।

संवेगात्मक बुद्धि (Emotional Intelligence)

संवेगात्मक बुद्धि वह क्षमता है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने और दूसरों के भावों को पहचानता, समझता, नियंत्रित करता और उपयुक्त रूप से व्यक्त करता है।

अधिगम शैली (Learning Style)

अधिगम शैली वह तरीका है जिसके माध्यम से कोई विद्यार्थी सबसे आसानी से और प्रभावी ढंग से सीखता है।

शोध विधि (Research Methodology)

प्रस्तुत अध्ययन की शोध विधि निम्नलिखित प्रकार से वर्णित की जा सकती है —

1.**शोध की प्रकृति (Nature of the Study):**

यह अध्ययन वर्णनात्मक (Descriptive) प्रकृति का है।इसका उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विविध संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की अधिगम शैली की वरीयता का अध्ययन" करना है।

2.**शोध पद्धति (Research Method):**

इस अध्ययन में सर्वेक्षण पद्धति (Survey Method) का प्रयोग किया गया है।, जिसके माध्यम से चयनित विद्यार्थियों से आवश्यक आंकड़े एकत्र किए गए है।

3.**जनसंख्या (Population):**

अध्ययन की जनसंख्या में सभी माध्यमिक स्तर (कक्षा 10वीं) के विद्यार्थी शामिल किए गए हैं।जो चयनित क्षेत्र के विद्यालयों में अध्ययनरत थे।

4.**नमूना (Sample):** अध्ययन में नमूना का चयन करने के लिए विद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है तत्पश्चात गुच्छ विधि का प्रयोग करके न्यदर्शों का चयन किया गया है।

5.**उपकरण (Tools / Instruments):**

संवेगात्मक बुद्धि मापन हेतु — डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,डॉक्टर श्रुति नारायण द्वारा निर्मित मानकीकृत संवेगात्मक बुद्धि प्रश्नावली, अधिगम शैली मापन हेतु — डॉक्टर करुणा शंकर मिश्रा द्वारा निर्मित अधिगम शैली अनुसूची का प्रयोग किया गया है।

6.**आँकड़ों का संग्रहण (Data Collection):**

प्रश्नावली के माध्यम से विद्यार्थियों से डेटा एकत्र किया गया है। डेटा संग्रह प्रक्रिया में आवश्यक नैतिक मानदंडों का पालन किया गया है।

7.**आँकड़ों का विश्लेषण (Data Analysis):**

एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण (Non parametric test-Chi square)काई स्क्वायर परीक्षण के माध्यम से किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण :

Objective 1-माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और सक्रिय E अधिगम शैली के साहचर्यात्मक संबंध का अध्ययन करना।

Table 1-a संवेगात्मक बुद्धि और सक्रिय E अधिगम शैली के बीच काई स्क्वायर का प्रतिशत।

Code/Grading		High	Average	Low	Total
1 High EI	% with code	25.6%	58.1%	16.3%	100.0%
	% with grading	12.6%	8.4%	7.1%	8.9%
	%of total	2.3%	5.2 %	1.5%	8.9%
2 Average EI	% with code	23.0%	64.0%	13.0%	100.0%
	% with grading	63.2%	51.5%	31.6%	49.6%
	%of total	11.4%	31.7%	6.4%	49.6%
3 Low EI	% with code	10.5%	59.5%	30.0%	100.0%
	% with grading	24.1%	40.1%	61.2%	41.5%
	%of total	4.4%	24.7%	12.4%	41.5%
Total	% with code	18.0%	61.6%	20.3%	100.0%
	% with grading	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%
	%of total	18.0%	61.6%	20.3%	100.0%

Table 1-b संवेगात्मक बुद्धि और सक्रिय E अधिगम शैली के बीच काई स्क्वायर का मान।

Code/Grading		High	Average	Low	Total	
1 High EI	Count	11	25	7	43	Chi square
	Ex. Count	7.8	26.5	8.7	43.0	27.293
2 Average EI	Count	55	153	31	239	Df
	Ex. Count	43.1	147.3	48.6	239.0	4
3 Low EI	Count	21	119	60	200	Sig.
	Ex. Count	36.1	123.2	40.7	200.0	<.001
Total	Count	87	297	98	482	
	Ex. Count	87.0	297.0	98.0	482.0	

सारणी के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि प्राप्त काई-वर्ग मान 27.293 है, स्वतंत्रता की डिग्री (df) = 4 है तथा सार्थकता स्तर (Sig.) < .001 है। यह परिणाम 0.01 स्तर पर अत्यंत सार्थक है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि

भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सक्रिय E अधिगम शैली के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण संबंध विद्यमान है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है और यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि विद्यार्थियों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सक्रिय E अधिगम शैली में महत्वपूर्ण साहचर्यात्मक संबंध है।

Objective 2 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और आकृतिक F अधिगम शैली के साहचर्यात्मक संबंध का अध्ययन करना।

Table 2-1संवेगात्मक बुद्धि और आकृतिक F अधिगम शैली के बीच काई स्क्वायर का प्रतिशत।

Code/Grading		High	Average	Low	Total
1 High EI	% with code	23.3%	62.8%	14.0%	100.0%
	% with grading	9.4%	9.6%	6.4%	8.9%
	%of total	2.1%	5.6%	1.2%	8.9%
2 Average EI	% with code	25.9%	57.7%	16.3%	100.0%
	% with grading	58.5%	48.9%	41.5%	49.6%
	%of total	12.9%	28.6%	8.1%	49.6%
3 Low EI	% with code	17.0%	58.5%	24.5%	100.0%
	% with grading	32.1%	41.5%	52.1%	41.5%
	%of total	7.1%	24.3%	10.2%	41.5%
Total	% with code	22.0%	58.5%	19.5%	100.0%
	% with grading	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%
	%of total	22.0%	58.5%	19.5%	100.0%

Table 2-bसंवेगात्मक बुद्धि और आकृतिक F अधिगम शैली के बीच काई स्क्वायर का मान।

Code/Grading		High	Average	Low	Total	
1 High EI	Count	10	27	6	43	Chi square
	Ex. Count	9.5	25.2	8.4	43.0	8.635
2 Average EI	Count	62	138	39	239	Df
	Ex. Count	52.6	139.8	46.6	239.0	4
3 Low EI	Count	34	117	39	200	Sig.
	Ex. Count	44.0	117.0	39.0	200.0	.071
Total	Count	106	282	94	482	
	Ex. Count	106.0	282.0	94.0	482.0	

सारणी के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि प्राप्त काई-वर्ग मान 8.635 है, स्वतंत्रता की डिग्री (df) = 4 है तथा सार्थकता स्तर (Sig.) = 0.071 है। चूँकि प्राप्त p-मूल्य 0.05 से अधिक है, अतः यह परिणाम सांख्यिकीय रूप से

सार्थक नहीं है। इसलिए शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है और यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि इस स्थिति में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आकृतिक F अधिगम शैली के बीच कोई महत्वपूर्ण साहचर्यात्मक संबंध नहीं पाया गया है।

Objective 3-माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और मौखिक V अधिगम शैली के साहचर्यात्मक संबंध का अध्ययन करना।

Table 3-a संवेगात्मक बुद्धि और मौखिक V अधिगम शैली के बीच काई स्क्वायर का प्रतिशत।

Code/Grading		High	Average	Low	Total
1 High EI	% with code	34.9%	46.5%	18.6%	100.0%
	% with grading	13.8%	7.3%	8.1%	8.9%
	%of total	3.1%	4.1%	1.7%	8.9%
2 Average EI	% with code	28.0%	59.0%	13.0%	100.0%
	% with grading	61.5%	51.5%	31.3%	49.6%
	%of total	13.9%	29.3%	6.4%	49.6%
3 Low EI	% with code	13.5%	56.5%	30.0%	100.0%
	% with grading	24.8%	41.2%	60.6%	41.5%
	%of total	5.6%	23.4%	12.4%	41.5%
Total	% with code	22.6%	56.8%	20.5%	100.0%
	% with grading	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%
	%of total	22.6%	56.8%	20.5%	100.0%

Table 3-bसंवेगात्मक बुद्धि और मौखिक V अधिगम शैली के बीच काई स्क्वायर का मान।

Code/Grading		High	Average	Low	Total	
1 High EI	Count	15	20	8	43	Chi square
	Ex. Count	9.7	24.4	8.8	43.0	29.779
2 Average EI	Count	67	141	31	239	Df
	Ex. Count	54.0	135.9	49.1	239.0	4
3 Low EI	Count	27	113	60	200	Sig.
	Ex. Count	45.2	113.7	41.1	200.0	<.001
Total	Count	109	274	99	482	
	Ex. Count	109.0	274.0	99.0	482.0	

सारणी के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि प्राप्त काई-वर्ग मान 29.779 है, स्वतंत्रता की डिग्री (df) = 4 है तथा सार्थकता स्तर (Sig.) < .001 है। यह परिणाम 0.01 स्तर पर अत्यंत सार्थक है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और मौखिक V अधिगम शैली के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण संबंध पाया गया है।

अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है और यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि विद्यार्थियों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और मौखिक V अधिगम शैली में महत्वपूर्ण साहचर्यात्मक संबंध है।

Objective 4-माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और पुनरूत्पादन R अधिगम शैली के साहचर्यात्मक संबंध का अध्ययन करना।

Table 4-a संवेगात्मक बुद्धि और पुनरूत्पादन R अधिगम शैली के बीच काई स्क्वायर का प्रतिशत।

Code/Grading		High	Average	Low	Total
1 High EI	% with code	25.6%	55.8%	18.6%	100.0%
	% with grading	9.7%	8.8%	8.2%	8.9%
	%of total	2.3%	5.0%	1.7%	8.9%
2 Average EI	% with code	27.9%	56.5%	13.8%	100.0%
	% with grading	62.8%	49.6%	34.0%	49.6%
	%of total	14.7%	28.0%	6.8%	49.6%
3 Low EI	% with code	15.5%	56.5%	28.0%	100.0%
	% with grading	27.4%	41.5%	57.7%	41.5%
	%of total	6.4%	23.4%	11.6%	41.5%
Total	% with code	23.4%	56.4%	20.1%	100.0%
	% with grading	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%
	%of total	23.4%	56.4%	20.1%	100.0%

Table 4-bसंवेगात्मक बुद्धि और पुनरूत्पादन R अधिगम शैली के बीच काई स्क्वायर का मान।

Code/Grading		High	Average	Low	Total	
1 High EI	Count	11	24	8	43	Chi square
	Ex. Count	10.1	24.3	8.7	43.0	20.422
2 Average EI	Count	71	135	33	239	Df
	Ex. Count	56.0	134.9	48.1	239.0	4
3 Low EI	Count	31	113	56	200	Sig.
	Ex. Count	46.9	112.9	40.2	200.0	.<001
Total	Count	113	272	97	482	
	Ex. Count	113.0	272.0	97.0	482.0	

सारणी के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि प्राप्त काई-वर्ग मान 20.422 है, स्वतंत्रता की डिग्री (df) = 4 है तथा सार्थकता स्तर (Sig.) < .001 है। यह परिणाम 0.01 स्तर पर सांख्यिकीय रूप से अत्यंत सार्थक है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और पुनरूत्पादन Rअधिगम शैली के बीच महत्वपूर्ण संबंध विद्यमान है।

अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है और यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि विद्यार्थियों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और पुनरूत्पादन Rअधिगम शैली में महत्वपूर्ण साहचर्यात्मक संबंध है।

Objective 5 -माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि और रचनात्मक C अधिगम शैली के साहचर्यात्मक संबंध का अध्ययन करना।

Table 5-a संवेगात्मक बुद्धि और रचनात्मक C अधिगम शैली के बीच काई स्क्वायर का प्रतिशत।

Code/Grading		High	Average	Low	Total
1 High EI	% with code	34.9%	58.1%	7.0	100.0%
	% with grading	12.8%	9.1%	3.4%	8.9%
	%of total	3.1%	5.2%	0.6%	8.9%
2 Average EI	% with code	31.4%	57.3%	11.3%	100.0%
	% with grading	61.4%	49.6%	30.3%	49.6%
	%of total	15.6%	28.4%	5.6%	49.6%
3 Low EI	% with code	13.5%	57.0%	29.5%	100.0%
	% with grading	23.1%	41.3%	66.3%	41.5%
	%of total	5.6%	23.7%	12.1%	41.5%
Total	% with code	24.3%	57.3%	18.5%	100.0%
	% with grading	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%
	%of total	24.3%	57.3%	18.5%	100.0%

Table 5-b संवेगात्मक बुद्धि और रचनात्मक C अधिगम शैली के बीच काई स्क्वायर का मान।

Code/Grading		High	Average	Low	Total	
1 High EI	Count	15	25	3	43	Chi square
	Ex. Count	10.4	24.6	7.9	43.0	39.453
2 Average EI	Count	75	137	27	239	Df
	Ex. Count	58.0	136.9	44.1	239.0	4
3 Low EI	Count	27	114	59	200	Sig.
	Ex. Count	48.5	114.5	36.9	200.0	<.001
Total	Count	117	276	89	482	
	Ex. Count	117.0	276.0	89.0	482.0	

सारणी के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि प्राप्त काई-वर्ग मान 39.453 है, स्वतंत्रता की डिग्री (df) = 4 है तथा सार्थकता स्तर (Sig.) < .001 है। यह परिणाम 00.01 स्तर पर अत्यंत सार्थक है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और रचनात्मक C अधिगम शैली के बीच अत्यंत मजबूत एवं सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण

संबंध पाया गया है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है और यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि विद्यार्थियों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और रचनात्मक C अधिगम शैली में महत्वपूर्ण साहचर्यात्मक संबंध है।

निष्कर्ष :

काई-वर्ग (Chi-square) परीक्षण द्वारा प्राप्त परिणामों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि अधिकांश स्थितियों में दोनों चरों के बीच सांख्यिकीय रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण साहचर्यात्मक संबंध विद्यमान है ($p < .001$)। यह संकेत करता है कि विद्यार्थियों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता उनके अधिगम शैली, शैक्षिक उपलब्धि तथा सीखने की प्रवृत्तियों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से प्रभावित करती है।

यद्यपि एक तालिका में परिणाम असार्थक ($p = .071$) पाए गए, तथापि समग्र प्रवृत्ति यही दर्शाती है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और अधिगम शैली के मध्य गहन एवं अर्थपूर्ण साहचर्यात्मक संबंध है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले विद्यार्थी सामान्यतः बेहतर अधिगम शैली और अधिक अनुकूल शैक्षिक व्यवहार प्रदर्शित करते हैं, जबकि निम्न भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले विद्यार्थियों में अधिगम संबंधी चुनौतियाँ अपेक्षाकृत अधिक पाई जाती हैं।

अतः यह अध्ययन इस तथ्य की पुष्टि करता है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल व्यक्तिगत व्यक्तित्व का गुण नहीं, बल्कि शैक्षिक सफलता, अधिगम प्रक्रिया की गुणवत्ता तथा विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास का एक महत्वपूर्ण निर्धारक तत्व है। शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और परिणामोन्मुख बनाने के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास को शैक्षिक नीतियों, पाठ्यक्रम संरचना और शिक्षण रणनीतियों में समुचित स्थान दिया जाना अत्यंत आवश्यक है।

सुझाव :

1. विद्यालयी पाठ्यक्रम में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास हेतु विशेष गतिविधियाँ, जीवन-कौशल शिक्षा तथा परामर्श कार्यक्रम सम्मिलित किए जाने चाहिए।
2. शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे विद्यार्थियों की भावनात्मक आवश्यकताओं को पहचानकर उपयुक्त शिक्षण रणनीतियाँ अपना सकें।
3. जिन विद्यार्थियों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता निम्न स्तर की है, उनके लिए विशेष मार्गदर्शन, प्रेरणा तथा सहायक शिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएँ।

4. अधिगम शैली के अनुसार शिक्षण विधियों में विविधता लाई जाए, जिससे सभी स्तर के विद्यार्थियों की सहभागिता और उपलब्धि में वृद्धि हो सके।
5. भविष्य के शोध में अन्य मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक कारकों को भी सम्मिलित कर इस संबंध का और अधिक व्यापक तथा गहन अध्ययन किया जाना चाहिए।

शोध का परिसीमन-

1.अध्ययनको जौनपुर जिले तक सीमित रखा गया है।

2.अध्ययन के लिए माध्यमिक स्तर की कक्षा 10 के विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में चुना गया है।

3.अध्ययन को माध्यमिक स्तर, संवेगात्मक बुद्धि, अधिगम शैली चरों तक सीमित रखा गया है।

4.अध्ययन में सक्रिय (E) आकृतिक (F) मौखिक (V) पुनरूत्पादन (R) रचनात्मक (C) अधिगम शैली का अध्ययन किया गया है।

संदर्भ :

- Goleman, D. (1995). Emotional Intelligence. Bantam Books.
- Mayer, J. D., & Salovey, P. (1997). What is Emotional Intelligence? In Emotional Development and Emotional Intelligence.
- Dunn, R., & Dunn, K. (1993). Teaching Secondary Students Through Their Individual Learning Styles. Allyn & Bacon.
- Kallarackal, T. J., & Thomas, P. J. (2022). Learning Style Preferences and Achievement in Biology of Higher Secondary School Students. International Journal of Creative Research Thoughts (IJCRT).
- Mansoor, A. P. M., Pervez, S. K., & Swamy, T. N. V. R. (2020). Emotional Intelligence: An Empirical Study among Post-Graduate Students. International Journal of Management.
- Shiny, A. S., & Saravanan, P. V. (2022). Emotional Intelligence and Learning Style among Adolescent Students. Journal of Positive School Psychology.
- Bawalsah, J. A., & Haddad, A. H. (2020). Preferred Learning Styles among Students with Learning Disabilities. International Journal of Education, Macrothink Institute.
- Singh, B. S. M., & Singh, K. (2008). The Influence of Emotional Intelligence and Learning Style on Students' Academic Achievement. Social and Management Research Journal.